

अनन्वय अलंकार

परिभाषा: -

“जहाँ पर उपमेय की ही उपमान बना दिया जाता है, वहाँ अनन्वय अलंकार होता है।”

Examples —

“तुम्हारा मुख - मुख जैसा है।”

“राम से राम, सिया सी सिया।”



SUBSCRIBE

प्रतीप अलंकार

परिभाषा: - प्रतीप → अर्थ 'उल्टा' होता है।

इस अलंकार में 'उपमा' के विपरीत स्थिति होती है।

“जहाँ उपमान को उपमेय बना दिया जाए, वहाँ प्रतीप अलंकार होता है।”

Example: - “चन्द्र तुम्हारे मुख जैसा है।”

“उतारि नहारि जमुन जल जो
सरीर सम स्याम।”

“साखी मयंक तव मुख सम सुन्दर।”

“मुख आलोकित जग करै, कहे
चंद्र किह काम।”

दृष्टान्त अलंकार

परिभाषा :-

जहाँ उपमेय व उपमान के साधारण धर्म में भिन्नता होते हुए भी विम्ब-प्रतिविम्ब भाव से कथन किया जाए वहाँ 'दृष्टान्त' अलंकार होता है।

Examples -

“दुसह, दुराज प्रजानु को क्यो'न जड़े दुःख इन्द्र।
आधिक अन्धरो जग करत मिलि मावस रवि चन्द॥”

or

“कोई दुश्मन कभी शांति के बीज नहीं बो सकता है।
और भेड़िया शाकाहारी कभी नहीं हो सकता है॥”

or

“एक म्यान में दो तलवारें कभी नहीं रह सकती हैं।
किसी और पर प्रेम नारियाँ पति का क्या सह सकती हैं॥”

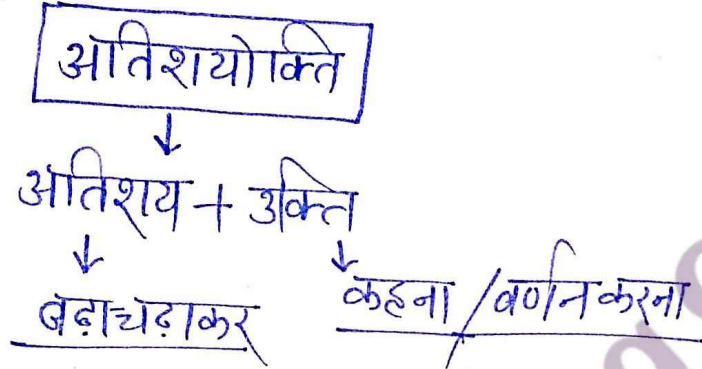
or

“पापी मनुज भी आज मुख से राम-नाम निकालते।
देखो भयंकर भड़िये भी आज आँसू ढालते॥”

यहाँ पापी मनुज का प्रतिविम्ब भड़िये में तथा राम-नाम का प्रतिविम्ब आँसू से पड़ रहा है।

अतिशयोक्ति अलंकार

परिभाषा : —



“जहाँ पर किसी वस्तु, घटना अथवा परिस्थिति की वास्तविकता का बड़ाचढ़ाकर वर्णन किया गया हो वहाँ 'अतिशयोक्ति' अलंकार होता है।”

उदाहरण : —

अब जीवन की कपि आस न कोय।
कनगुरिया की मुंदरी कंगना होय ॥”

or

“हनुमान की पूंछ में लगन न पाई भाग।
लंगा सिगरी जल गयी, गए निसाचर भाग ॥”

or

“रुक का माँरें दुइ गिरि जावें, तीसर
छोफ खाय मारि जाइ ॥”

or

“भूप सहस दस रुकहि बारा
लगे उठावन दरिहनटारा ॥”